

बांदीपुर टाइगर रज़िर्व

[स्रोत: द हट्टि](#)

हाल ही में, सरकार ने बेलाडाकूपे श्री महादेश्वरस्वामी मंदिर, जो [बांदीपुर टाइगर रज़िर्व \(BTR\)](#) के मुख्य क्षेत्र में है, की वार्षिक जातरा (कार्तिक माह का अंतमि सोमवार) पर प्रतर्बिध लगा दिया है।

- यह मंदिर बांदीपुर टाइगर रज़िर्व की हेडयिला रेंज में स्थति है, जो वन्यजीवों के लयि संरक्षति क्षेत्र है।
- बाघ रज़िर्वों का गठन कोर और बफर संरक्षण पद्धतिका उपयोग करके कथिा जाता है।
 - मुख्य क्षेत्र सभी प्रकार के मानवीय उपयोग से मुक्त है, जबकि बफर क्षेत्र में संरक्षणोन्मुख भूमि उपयोग है।
- बांदीपुर टाइगर रज़िर्व (कर्नाटक) के बारे में:
 - बांदीपुर टाइगर रज़िर्व [पश्चिमी घाट](#) परदृश्य का एक प्रमुख क्षेत्र है, जहाँ वशिव की बाघ आबादी का 1/8वाँ हसिसा रहता है।
 - यह बांदीपुर, नागरहोल, वायनाड, मुदुमलाई और सत्यमंगलम टाइगर इस क्षेत्र का हसिसा है, जो कर्नाटक, तमलिनाडु तथा केरल तक फैला हुआ है।
 - यह [नीलगरि बायोस्फीयर रज़िर्व](#) का एक महत्त्वपूरण हसिसा है, जो भारत का पहला बायोस्फीयर रज़िर्व (1986) है।
 - यह रज़िर्व मैसूर एलीफेंट रज़िर्व का एक हसिसा है, जो [एशियाई हाथियों](#) की वशिव की सबसे बड़ी आबादी है।

//



